

आशा काव्य

2708

ASHA ARCHIVES

अथायं तत्कुरु वी॥ हनाथ दगुत्र हलया लयानि स्यै हससां हतया यमा लसानं शिमिक हलयाः
 लयानि सन गुणु माल उगु लिय सविका हन॥ हलया लयानि सं गुत्र उगाथा वयाया कल्यां गु
 प्रथालि स्यै डिपानि स कार्या स विरुनया ॥ अत्र कांतिरुया स विरुन हनाथ दगुत्र धन
 क प्राथना या ना॥ ॥ धन गुत्र या न किम्वलन न क॥ ॥ नथ भिष्ययानि रु मा
 यान स्वान द्रव्यै रावना॥ ॥ न नाहि न स वा विम दुल हं का प्र के प्र सी ह द न हं का वा
 ह नं कृष्ण विरुन नृपं न रा न वरुष ही उर्ध्व कर्म यि म प्र व र्था यं ना सिका गु रा नि वार्य न थ हं

२

का प्र ह दि नि स्वा यानि ना स य रु मान व रु हं का प्रं म हा का धा वि रा वा॥ ॥ वा दि नि स्वा यानि
 वलं व न हा य॥ उं स म् काने स रु हं २ रु॥ उं गृ ह्ण २ रु॥ उं गृ ह्णाय य २ रु॥ उं म्ना न य हा रु रा
 व न वि या ना उ हं दान पा नि य था मान स सर्व पा र्थ ना भ य हं २ रु॥ ॥ धन म उः
 ला वि स र्ज न या न क॥ य थ र ग ष्ठा वि षा॥ वा या दि नि लां ऊ न प्रा हा मि त रु व उ मा ल वा
 स रु हं ना य॥ ॥ धन थ का लि न किं नि स स न प्र ल म दु ल क य क पृ ष्ठा या न क॥ प्र ल म दु ल
 या ल क न॥ ॥ ह मि थार्ये थ प्र ल म दु ल ग थ थो क सा का यो म्ना क म म दु ल या यो थ या

७

दअन.वायुमधुल.थयादअन.अग्निमधुल.थयादअन.आयमधुल.थयादअन.पृथोमधुल.थ
यादथस.समप्रवर्तन.गार्थकांक्षलसा.आत्तालयाथी.पूर्वसविदहका.यागु.दीपदयाथी.धनूत्राः
न.लयाथी.दकि.हज.वृद्धीयधयागु.द.याथी.निका.मवानलयाथी.याथी.म.अ.उ.म.म.
दाधानेधयागु.त्रा.क.लानाथी.उ.रु.प्र.क.प्र.कुर्व.धयागु.प.क.लानाथी.थनीलि.विदिगा.क.
नस.उ.य.दी.प.धयागु.य.अ.ल.दयाथी.॥ हन.धनी.पि.पूर्वस.ग.ज.ज.ल.धयागु.कि.सि.दयाथी.गु.
य.व.ध.र.याथी.द.न.य.य.दयाथी.न.ल.या.नि.सां.ने.याथी.कि.दि.ग.हि.न.प्र.स.स.म.डां.ग.उ.ल.ह.याथी.॥

[illegible]

आत्ममानं दुय्यात्तां थं थिजा वस्तु सर्वज्ञं
 बुद्धमानं देवमास सर्वानेमान् कथागु कल सहस्र
 उवाच निलदिल वस्तु मून आद दयात्तां हनं वद
 धन आदिं इत्यादि रुया अया हा अया अयां हा गु

ॐ ऊँ यव न सखा नाय. सत्तु न वन र्नाय सुख नाय द
गन कर्म वडि न घा दा र्घ्य युनि ह स्ता हा ॥ ॥
न मा गान या द या ल ख न हा सं स्था न वि य ॥ ॥
से दि र्ह व रु सा ने ध्वं कु न ॥ ॥ ध आ र था स सी
व ज के ला के ल या स्व सर्व वि द्या न्त र्ध र ह र द

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रयुक्तः ॥ विष्णुः ॥ यथा ॥ तत्त्वविद्यः ॥ वृद्धः ॥ नालासमन्तं ॥ यथा ॥ धनमन्त्रि ॥ यमुनिः ॥
 हयलभाया विद्यः ॥ वाक्यः ॥ ॥ मन्त्रधर्माग संरुतं ॥ नवयथा ॥ विष्णुधर्मा ॥ समन्तं ॥ रुद्रवाचां ॥ रा
 त्रमण्डलमुरुमं ॥ ॥ मूलमण्डलस
 तुलसर्वविद्यानुसात्रयहं ॥ मण्डलद्वय
 निहृत्वा ॥ दथ ॥ ॐ वैलाका विजयाय नमः
 भाग्याय नमः ॥ दथ ॥ ॐ मार्या मृमृता हाय वज्रयुष्यं पुनिहृत्वा ॥ दथ ॥ ॐ मः
 अथादि ॥ ॥ त्वजस ॥ ॐ मार्या रुद्रादि ॥ दथ ॥ ॐ मार्या मृमृता हाय वज्रयुष्यं पुनिहृत्वा ॥ दथ ॥ ॐ मः
 अथादि ॥ ॥ त्वजस ॥ ॐ मार्या रुद्रादि ॥ दथ ॥ ॐ मार्या मृमृता हाय वज्रयुष्यं पुनिहृत्वा ॥ दथ ॥ ॐ मः

ॐ मार्या सुधनाय ॥ दथ ॥ ॐ मार्या मृमृता हाय वज्रयुष्यं पुनिहृत्वा ॥ दथ ॥ ॐ मः
 कं मे नाय ॥ दथ ॥ ॐ मार्या मृमृता हाय वज्रयुष्यं पुनिहृत्वा ॥ दथ ॥ ॐ मः
 लाकं मे नाय ॥ दथ ॥ ॐ मार्या मृमृता हाय वज्रयुष्यं पुनिहृत्वा ॥ दथ ॥ ॐ मः
 ॥ यन दथ सुनांग वृद्ध मण्डलस्वानवाय
 दयका नय ॥ ॐ मार्या मृमृता हाय वज्रयुष्यं पुनिहृत्वा ॥ दथ ॥ ॐ मः
 मृमृता हाय वज्रयुष्यं पुनिहृत्वा ॥ दथ ॥ ॐ मः
 मृमृता हाय वज्रयुष्यं पुनिहृत्वा ॥ दथ ॥ ॐ मः

गुरुमिकाय x स्वाहा ॥ **स्वअस** ॥ ॐ शार्यसमाधिनाजाय x स्वाहा ॥ **धज** ॥ ॐ शार्यलंकावनाजाय x स्वाहा ॥
ऊअस ॥ ॐ शार्यसद्वर्गमयुलिकाय x स्वाहा ॥ **स्वअकथ** ॥ ॐ शार्यनक्षत्रगनकुचकाय x स्वाहा ॥
अथथ ॥ ॐ शार्यललितविस्रवाय व
 र्णयुगाय x स्वाहा ॥ **ऊअकथ** ॥ यश्च यः
 सां वरुययं यासिनी यश्च भुक्तु कय अला
 च्च नाने यश्च भंक्तु भुक्तु वा संवत्साश्च यश्च यश्च नमो भद्रा यश्च नमो भद्रा ॥ **स्व क**
न ॥ साहं सवनामा एवंदमिता ह्ययं सुमोदिवस मया दाय ॥ **हनुव** ॥ **नाथ** ॥ **जिमिसन** ॥ **धज** ॥

नामनं क्रियता धनियोदिमं नि सं यमुधर्म लायया नो मोरुं दतना याय न हा यवदा वा धिमलु निवः
 र्ण धर्म भवतं गद्या मे विवाह मगं ॥ यवला का वा धिमलु लखलु मरु ला थला का जिमि सं धर्म क मि
 पात्रिसन राजन धर्म रुयु अ ग्राथिं क धमल
 थिं क यहा या प्रमिता या क भवराज न ॥
 सर्व विघ्नान् ला न य हं ॥ संघ मलु ल उय
 पु नि ह स्वाहा ॥ **द थ** ॥ ॐ शार्य मे रुय x स्वाहा ॥ **ऊअन** ॥ ॐ शार्य गगन गं जाय x स्वाहा ॥ **स्वअस** ॥
 शार्य सम क रुदाय x स्वाहा ॥ **धज** ॥ ॐ शार्य वरुयाय x स्वाहा ॥ **ऊअ** ॥ ॐ शार्य मे रुय याय x स्वाहा ॥

दा॥ अथ कथं ॥ ॐ आर्य सर्वधा वनसाविकारे न ॥ खादा ॥ अथ कथं ॥ ॐ आर्य क्रिमे गार्हपत्य ॥ खादा ॥
 अथ कथं ॥ ॐ आर्य खगार्हपत्य ॥ खादा ॥ अथ कथं ॥ अथ कथं ॥ अथ कथं ॥ अथ कथं ॥ अथ कथं ॥
 वसत्य सुखादावेक्षामि सः वसत्य वसत्य ॥
 शिव लयः लारुवावता यस्मिन्नास्ति या
 नमः ॥ अथ नत्वक न ॥ सः सः
 वदा वाधिमलु लानि यः ॥ हगु वृह नाथ किमि सन थअर नामन किं थना अ थानि या देन स थ
 गुलिधर्म लाय याम रवला भावाधिमलु न सवतु हल ॥ अथ वेवार्हिक संघना वरिगाद्यमि

य इहा आर्या वला किं कथं न अथ वेवार्हिक काधिसत्व गत्तन सगं ॥ अथ लानं अथ वेवार्हिक संघना क कि
 यानि सत्र सजान संघ हयुगाथं गुभनमा आर्या वला किं कथं सत्र या लियाम भाक य या देवा
 कस थार्थिं स संघ या भव ता जेयानि दसः
 कस न्नि यमि ना वृद्धा वगाव भा काधिसत्वा थ
 दिगस ति का क वृद्धि गिं वाधिसत्व यानि
 आ य मा ल ॥ अथ भवना माय कि थि का य वा क ना रिः सर्व वृद्ध वाधिसत्वा मा ना यि न यो क
 द न्या सग मा रु ह ज नानि रु वा क न य म या यो य क कर्म कर्म का नि नै रु व ॥ हनाथ हगु वृ किमि स

ग्वलातो. मूकमायाय. विवेकेधदत्तनं यानादयिअ. अजिउ ववतं. मोगलंयाहायायदयूअ. सिम. मसिस
 यानायाय. हनं मूनगमथागक. वाधिसुतयाक. याताथसं. दयूअ. हनं मासवदयाक. यातायाय. द
 यूअ. मवनयाक. थमनयाहादयेअथु. गुलिऊनसयाहादयूअ. हनं थुगुज नसयाहा
 दयू. थथिंश्याय सकलं. ॥ न. सर्वम. कथायेउयिता गुत्रयिता. सर्ववृद्धवाधिसुता
 नांम्रायार्यस्यांजिक. मूगुयावत्रया. यवत्रया. पुतिदभनया. ॥ हताथु. थयाय सकलं. ॥
 गुलियाता. ॥ मलमुहाअ. उहि मथनकाय. समसु. नथागनया. दु. डान. वाधिसुत. गव. उयाथ
 या. दु. डान. थुगुयाय सकल. किमिसनथम. थथमनं सियाअ. दु. लयालयाह. अ. न. न. न.

समन्ताहंरुदकयथाकम्राया. ह. न. जावकीवयासावियानंयुतिवित्रता. ॥ थुतिशियानहु
 नाययागुववन. ह. न. अ. गु. व. स. म. ह. द. न. ॥ ह. नि. य. य. नि. दु. मि. स. न. उ. क. म. न. उ. क. वि. रु. या. ता. उ. अ.
 थु. गु. ध. म. म. ला. य. रु. ल. सा. ग. व. ला. न. की. व. न. व.
 माल. ॥ नि. ह. न. द. ल. उ. नि. ह. न. म. ल. ॥
 यिथिलिका मूपादाय. ॥ ह. नि. य. य. नि. दु. मि.
 रु. म. नि. व. पि. म. दि. न. ल. म. ल. थ. अ. न. म. न. श. क. व. म. म. क. रु. य. म. ल. ॥ स. म. ल. या. नि. उ. व. न. उ. अ. य.
 ल. य. स. या. नि. व. मि. व. ल. य. दि. य. नि. या. म. का. य. धी. म. ल. न. म. ल. ॥ ॥ उ. व. म. वा. ह. उ. म. व. ल. म.



॥ अथ धर्मशास्त्रनिघातयाय. मन्त्रागुणालनरुद्राष्टक. गुन्याकविनिघातः ॥ ॥ अथ धर्मशास्त्रनिघातयाय ॥
 नां गननामार्थानामर्हतामृताविधिप्रश्नकनामि ॥ हनाथहगुन्या. मेस्य. जायांथनवीयं. गार्थव
 द्ययुक्त्यानेसं. क्रियं गार्थमन. गार्थाविधि
 नाहंरुद्रकयथमार्थाहंरुद्रजावकी
 द्धमिहमन. उक्तमनयासं. गुन्याष्टकअर्थ
 विद्यकं. दानमकाश. अथलसं. मनउत्तमनया. मयुगुक्तमयाक ॥ ॥ मृत्वावादीसूत्रासेधनं
 मययुमाशक्तनं. नृत्वामीरुवादिन. सालागन्धविलयनं ॥ हनं दामिष्याये. अस्तनखजायमइ. लय.

प्र० ॥ ह० भिष्ययानि. रु० मिशन. मिनायायनानः
ना. ववनया नायाययमा. नृगाननया नायायय
मृदहादानं काममिथ्या. मृत्वावादं. येमुन्यायाय

घासायां नी। मेघां नू विधिय नू क वा मि॥
 घाघयाना नया गु, ध्यायसम सं काल न ध
 माल उगु विधियाना ज, डि मि न क या द स
 ॥ के न्व ठ न न ॥ न म स्का प्र या य । ध न न य
 ॥ न सा साया व ला के न श्र वा य वा धि स ला य म

किं पानयुक्ता ॥ महानिदुय ॥ आदिकार्यं आगं कथयत नदुय ॥ आदिकार्यं नानुयुक्ता ॥
 लक्षायाः मण्डलधिल ॥ किं न ॥ किं व ॥ उदिय ॥ नदि नमस्कात्रकाय ॥ ॥ अं नमः ॥ आयम
 नुयुयवाय ॥ २ ॥ अं नमः ॥ आयकर्म वनाय ॥ ॥ रुसावकादुखि ॥ ॥ अं नमः ॥ आयम
 नात्रकाभमृता ॥ आयदिवकयादं पु रुमियनिरुव ॥ रुसाकाकासदन ॥ मर्क ॥ सेव
 डवृदा ॥ रुवमदिलसत्रि ॥ गोवावंतादु विंवा ॥ रुसा ॥ रुक ॥ रुयद ॥ नवकुरुगावक ॥ पमन
 ॥ ॥ अं नमः ॥ आयम ॥ यासासंसाप्रवक ॥ विप्रवयमिमन ॥ साकेया ॥ म ॥ द ॥ का ॥ साधाय ॥ स ॥ पु ॥ सा ॥
 दादिसुनिज ॥ रुव ॥ सा ॥ मि ॥ ना ॥ नि ॥ पु ॥ य ॥ अ ॥ न ॥ व ॥ पु ॥ ला ॥ म ॥ वे ॥ य ॥ स ॥ म ॥ द ॥ य ॥ नि ॥ स ॥ र ॥ व ॥ क ॥ ल ॥ य ॥ मा ॥ या ॥ ल ॥ म ॥ र्क ॥

१७

कथा ॥ रुसा ॥ पु ॥ य ॥ म ॥ मि ॥ व ॥ सि ॥ व ॥ वि ॥ न ॥ य ॥ स ॥ रु ॥ व ॥ र्क ॥ का ॥ त्र ॥ अं ॥ न ॥ म ॥ ॥ आयम ॥ न ॥ रु ॥ म ॥ व ॥ ना ॥ य ॥ रु ॥ न ॥ म ॥ ॥
 गावक ॥ सं ॥ व ॥ ना ॥ य ॥ ॥ ॥ अं ॥ न ॥ म ॥ ॥ आयम ॥ न ॥ रु ॥ म ॥ व ॥ ना ॥ य ॥ रु ॥ न ॥ म ॥ ॥
 गी ॥ रु ॥ म ॥ ती ॥ ल ॥ ॥ उ ॥ या ॥ अ ॥ ना ॥ के ॥ ल ॥ य ॥ उ ॥ ना ॥ ॥
 कि ॥ न ॥ म ॥ रु ॥ क ॥ ल ॥ म ॥ रु ॥ वि ॥ म ॥ र्क ॥ नि ॥ ॥ स ॥ रु ॥
 न ॥ म ॥ ध ॥ य ॥ क ॥ ल ॥ रु ॥ व ॥ स ॥ रु ॥ क ॥ ल ॥ वि ॥ म ॥ रु ॥ क ॥ नि ॥ म ॥ मा ॥ ये ॥ रु ॥ मि ॥ वि ॥ रु ॥ वा ॥ ॥ न ॥ ल ॥ म ॥ रु ॥ म ॥ म ॥ टी ॥ नि ॥ व ॥ रु ॥
 स ॥ रु ॥ व ॥ ना ॥ म ॥ य ॥ मा ॥ व ॥ रु ॥ उ ॥ ला ॥ का ॥ वि ॥ रु ॥ या ॥ य ॥ म ॥ मा ॥ व ॥ रु ॥ रु ॥ क ॥ म ॥ वि ॥ म ॥ रु ॥ सु ॥ य ॥ रु ॥ रु ॥ व ॥ रु ॥ क ॥

[illegible][illegible]

सर्वकुशाय यः ॥ ॥ हामेवार्थेन वा न. ला कया अनुवृत्ति या न. धर्म न कु यु वरु ना या न
 थथेयु वर्या इमि संया सां लि. न अर्थ न था ग न या गु व द ला य ॥ ॥ मो या न धा य क. का न उ
 प्र ल उ य म ग व र्ण सर्व यु नि दि न भ भ घ ॥ ॥ म त् मा य उ ग ल्प थ वृ द्ध वा भो द र्ध म न ॥
 स्व सा न भ य क ॥ ॥ ह ना थ ह गु न्त्र डि य नि ॥ ॥ वृ द्ध ध र्म सं घ या ग व र्ण ज न. स क ल य यं डि मि
 स न ना स क र ल न ज धं यु द्ध थ ना य न था ॥ ॥ ग न या गु म्त्रा य का भ व र्ण. ह ल यो ल या क. का थ
 ना या ना ॥ ॥ ह नं गु न्त्र वि न मि या य ॥ ॥ व र्ण वे व ल्प म र्क द ला ना थ द द स म ॥ ॥ व क र्ण व न था
 रु र्ण ना थ यो य त्रि क र्म न ॥ ॥ ॥ ह ना थ ह गु न्त्र व क या स र्ण. र म व वि या अ. न व र्ण. ह गु न्त्र

21

द व द नी या न हं ह नं ना थ र्थ या न ह. या त्रि क र्म डि मि न वि स वि का ह न ॥ ॥ स म यं स र्व वृ द्ध
 नां. सं व र्णं गु न्त्र म र्क मं. ना थ र्थ या न ह ना थ. स र्व स र्वा र्थ का प्र स म ॥ ॥ हामेवार्थेन. थ क ल ह य
 म थिं भ र्ण. स क लं थ थ ग न या ह न ॥ ॥ ॥ ह र्ण व क या गु न्त्र उ ह म र्क या नं गु ना थ र्थ या
 थ गु नि. स म र्क या. स य म. न क या य र्क ॥ ॥ व क या न का प्र र्ण ॥ ॥ स म र्क ह र्णं गु मं स र्व
 वृ द्ध का धि स र्वा. म र्क म म र्क ना मा र्क मं ॥ ॥ व ल्प म् या द य. या व द का धि स र्वा. डि य नि. ना म न. थ मि. व ल्प म् थ
 ॥ डि मि स र्क म न या ह. स क लं थ क या धि स र्वा. डि य नि. ना म न. थ मि. व ल्प म् थ
 मं ला य थ. म र्क म् थ. ना. का धि स र्वा. व र्ण म र्क म ॥ ॥ उ ल्प द या मि य प्र सं का धि वि र्क

संस्थान ॥ सचनं सर्वसंयुक्तं पुनिगुणामिदं तमः ॥ इति ध्यासमस्तं संयुक्तं इत्यादिं गुणसकलं
 इति संज्ञायुक्तं ॥ युक्तकर्मयथासक्यं महाकर्मकं ज्ञायथा ॥ इत्युच्यते ॥ इति विविदयका
 मया ध्यासिद्विद्या कलसः ॥ इति ज्ञानं ॥ ॥ उवाच दया मेयं तमं वाधिविहसमस्तं हवं ॥ इति ज्ञानं ॥
 इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥
 इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥
 इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥
 इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥

23

असनामसिध्यामि सर्वसत्त्वसुधनायानिवृत्तौ ॥ इत्युच्यते ॥ इति ध्यासमस्तं संयुक्तं इत्यादिं गुणसकलं
 इति संज्ञायुक्तं ॥ युक्तकर्मयथासक्यं महाकर्मकं ज्ञायथा ॥ इत्युच्यते ॥ इति विविदयका
 मया ध्यासिद्विद्या कलसः ॥ इति ज्ञानं ॥ ॥ उवाच दया मेयं तमं वाधिविहसमस्तं हवं ॥ इति ज्ञानं ॥
 इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥
 इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥
 इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥ इति ज्ञानं ॥

सा मा मा क य य य ॥ ह क र ग ह क य अ मा ना ना मे वा ये य कं न न ॥ द क का र अ न क म क ॥
 ला हा न न अ न का अ ॥ वा क ॥ ॥ ओं व क हा स हं ॥ ओं डीं वे शु द ध र्म सर्व या या ने वा स्या वे ॥ अ धा ने
 वि क ल्या न य न य हं ॥ थ न द क का ह मो ल क क ॥ क ल स लं व न क रु अ य क ॥ न क दा व म ल
 ल द र्म न य क क ॥ व क का म ल स न ल क क ॥ द क सा दं र का य क ॥ न क म न का क ड ॥ हे हा हा
 अ सा थ ॥ थ ॥ अ अ ॥ म ला ना य न व ल ॥ हा म क न सा ग थि ॥ हे हा अ ला हा ने स वि हा अ ॥
 य ॥ ॥ वृ द्ध मे जी व क र स र्वा न्ना हा ॥ थ म क र ला हा न स वि हा अ ॥ थ ॥ र थ स र्ग न य ॥ ॥ ह न
 व क न ॥ ॥ म न क क ल्य का टि ॥ हे ॥ य क मं या य कं य ॥ हा मे वा या ने आ अ ह ॥ मे क ल्य का टि ॥ अ

28

स या ना गु या य थ म थ य म न या ना गु या य ॥ ॥ क र्वा र्वा हे क यं या नि द क्का स लु ल मी द र्म ॥ ह मे
 य या ने आ अ ह ॥ मे द क या यं ह क न क द ल स लु ल द र्म न या ना ने मि ॥ हे आ अ ह मी न श्री ल स वा
 क या य स क ल्यं ह क ॥ ॥ उ ल ना द र्म नि क र्वा रु व द र्म स यं ह वा ना ॥ हा मे वा या ने आ अ
 कु ये द र्म नि न म म ल स म क ड वं ह न ॥ थ यं व र्थ व ल य मि म नि म र्म क नि र्म ला ॥ ह मे
 य य व ल ह मि सं थ व र्थ व ल य न आ अ ह ॥ मि म र्म क म श्री ला ने म ल ह न ॥ ॥ म
 य य आ हे न न ना न व द ना ह म हा म नि ॥ हा मे वा या ने आ अ ह ॥ य नि स न मा रु ल्य म ड ड य ह ना न य
 आ अ ह या ने न अ व न य नू य ह ला ॥ ॥ य न य यं डे ने र्वा स पू डे ने ह म स न ॥ हा मे वा या ने आ

[illegible][illegible]

आदिकाय. नालकाय. मलुनयिन. केनन ॥ नादेन मलकाय. नागामाला ॥ गीत ॥ विम्वस
 नात्रह ॥ गीत. उ किं मात ॥ समाधि. उपाध. न ऊपयाना उपात ॥ विविधैः सकलां गृहा ॥ दवयुज
 मलुनयुजा ॥ गी ॥ आदेयुजा. मलुनयिन. ला नकत. माहति. नृसेक. पृष्ठा मूडो न नित्य ॥ अ
 वत्रया. म नृलसा. वत्रिमकटयुय. सं वत्रया. म नृलसा. यत्रकथागत मल्वीयुया ॥
 रुसा. मा ज्ञाया कामा. व म. कावा गो. सक स्यातं. व कुम्भे श्री. मा ज्ञा युव मरुस मलुन ह
 ल. य ॥ १४ ॥ आसख वाक हू ल ॥ वाक ॥ ॥ युविमह रुगाव नृमहासुख माकयुत्रं. सर्वसिद्धि सुख
 यद ॥ यत्रमसुखाह मसिद्धार्थ. ऊ ४ हूं वं हा ४ पु सिद्धस ॥ लोकस्वानजानाज. यि ॥ श्रीम सखाहा

२३

अ. पूर्वयादा नृखाव न ॥ उं वडाया चाटय समययुव मयहूं ॥ थ मकुन. वरु दान संखन ॥ थ लान
 मा लाम लुलस द्या हा जयाना. थ मनं कायाय ॥ ॥ यत्रमसुखः सय. सूत्रावेन विनास मि क
 न मा मि ४ हूं वं हा ४ ही ही ही ही युनिष्ट कृ सुमां जाले नाथ ॥ नृस मूडा का सं. लान थ मं दू य ॥
 अं वज नृख ४ ॥ ह नं म लुलस वाक ड ल ॥ वाक ॥ ॥ आकारमा ला द वि क नां ना दि नि
 थ न यत्र ४ महाज समयसुख मूका ख वज सिद्धि म ॥ सर्वाह ममहा सिद्धि मा हे भयार्थ दि दे
 वरु ४ सर्व वज धवा जा. सिद्धि मय प्रमा क व ४ ॥ नि दीप मा भव क आये. सर्व नाग नृनाग ४ न
 ल मा सिद्धि मरुगाव नृमहापारग नृनाग ४ ॥ अशुक मुद्ध धर्मा रग आदि मूक सुधा ग ४ ॥ सम

न हृदयं वासाः काधे सत्तायुसिद्धिमा ॥ सर्वाहं समहा सिद्धिमाहे भयार्थमुदया ॥ सिद्धिं वज्रमहा
 कर्मावजगता कर्मायनमम ॥ सर्वसत्त्वमनायाये ॥ सर्वसत्त्वहृदि लिङ्गं सर्वसत्त्वाधेनायेव कासा
 यममयायेन ॥ यनसत्त्वमनार्थं य
 धत्रियूनय ॥ ॥ धनमलुतसत्त्व
 तिला मृगम ॥ नृहि शायाम् हनुकर्मस
 गनातलानि र्याना ॥ सुठि सत्त्वमलुत ॥ यतिविन्दुसत्त्वयित्वा सर्वयमलं कल्पमायेये ॥ धन
 खाजलानि वक ॥ धनायेहाया ॥ मृताचार्यमात्रा ॥ गुणमलुतदत्त ॥ वलिया ॥ मलुताना कनया

२१

ह विद्य ॥ मेधा कसाकं धनतसं गुणमलुतदत्तक ॥ वि सज्जनयानक मजपूजायानक ॥ ॥
 धनमेधा ॥ रावता ॥ न नमेधा वनावन नूयतालं विनं सर्वकर्मक कलमजस्तारि रिमं धाया
 ॥ ॥ निकायाधेष्टान ॥ यवगंधन कथक
 निरु वज्रयवदसूर्यावडायनि कृष्ण
 सुशुच्यार्थ ॥ धनयवगवा विद्य ॥ लाहा
 ॐ सर्वे नथगानान् हनका ॥ गानं काववसुपूजा मयसमूहसु नरा समयहं ॥ वज्रनहं ॥ ॥ धः
 नयसमलुतमासक ॥ पूजायक विमर्जन गुणमात्राया न लज्जाय ॥ धन ल नाय मृकन सा

३

22

मृत्यादयामि॥ समय, ला. थ. नूयक॥ ॥ वाधि विरु मृत्यादयामि॥ मोंठ से वजन धिया॥ सूत्रना
समय लं हा॥ से दिव ऊय थ सखा मिने॥ ॥ गम थ॥ मृय लं सरु र्जन थ गता विदिता हा विद्या मि।
हो जे था यें आउ हू यानि, द क न थ गान न मृ
यत्र मत्र हस्य मयु लस्य पविशाय वक्रव्यो।
मउ लस इ हा अया, गु ख, दि का मला यें न
क न म इ, क सा, मृम च स्या लं स, कौ म, वर या, हा घ ना, नू ग व व हा या, क अ र्ध व थ क या, न व क स
इ, निं डान् अ॥ ॥ न व गे ज्ञान र्य॥ य हा हा व न सा, थ क य व म थ व र ग, व हा या मृ, अं म्, व उ वा

[illegible][illegible]

यथा मे ॥ हृमिसंभवादिनामनाककया हृअन. हृअनसा. मा मया हृ सु. उमकाया वलसु. विरुहा
 अथा. उधनकया अ. नत्रकसकृतिता न्युता ॥ धनघट्यासं. साठसवजनयैथि ॥ ॥ नृयकसमयाव
 हृ. मर्जुनं हृ प्रथयदि ॥ मम हृमिप्रसथासु स. वा हृ म. सा हृ ॥ वज्रसुतयासु नृयकया वेका क
 हृ. हृमिसंभवा. दयामलाककया नकसा हृ ग्या. लो. नि. स. व. दया. व. स. वा. ली. धि. हा. दे. का. य. ॥ ३१
 वजननगरसथिय ॥ ॥ वज्रसुतययन श. हृ दयसमवलि. न. नि. हे. या. न. क. क. दी. या. या. य. ॥
 दिव्यादिगामनं ॥ हृमिवायाने. मम हृमिप्रसथासु. वेका क. व. हृ. स. व. ल. नृय. अ. व. स. यो. हृ. अ. न. हृ. सा
 ग्या. लो. नि. स. व. दया. नृगली. धि. हा. दे. का. य. ॥ ॥ धन. का. व. या. न. व. ज. ला. अ. व. हृ. स. न. य. ॥ उं व. ज. मृ. नी

अग्नि २

दकं ०० हं ॥ वज्रदकनात्रकवापि. समयादिनामादहृ ॥ हृमिवायाने. मम हृमिप्रसथासु. वां. हृ. व. ल. क. य.
 विरुध. ल. सा. सा. का. नृ. न. व. क. ल. व. य. हृ. या. वां. हृ. अ. म. या. ना. का. हृ. क. ना. क. सा. अ. मृ. न. अ. उ. दि. गु. हृ. मि. सी
 थो. म. थो. म. थो. हृ. अ. न. हृ. सा. अ. गि. र. या. न. व. क. स. क. मे. अ. न्यु. ता. ॥ स. म. य. व. क. सा. सि. दि. धि. व.
 वज्रमृ. ना. द. कं. ॥ हृमिसंभुयं. वा. न. य. हृ. न. सा. अ. मृ. न. व. ल. क. हृ. मि. स. न. अ. ध. या. दि. क. ॥ ॥
 मृ. व. ल. य. हृ. मि. न. वा. हृ. व. ज. या. सि. हृ. व. ॥ मृ. अ. हृ. धि. व. ज. या. सि. हृ. व. ॥ ॥ य. द. ह. न. व. य.
 मि. र्द. क. नृ. ल. या. क. र्द. वी. ॥ गु. नृ. ल. या. थ. ॥ हृ. मि. स. न. का. हृ. क. ध. व. या. धि. अ. ॥ न. व. ल. या. ह. मा. न. वि. स. मा. य. धि.
 हृ. न. या. मि. हृ. या. क. ल. न. व. क. य. न. न. स्या. ॥ ला. ला. थ. सी. सा. वि. घ. न. दि. ना. अ. न. व. क. स. कृ. ति. अ. न्यु. ता. ॥ ॥

[illegible][illegible]

वर्धनाय नमः॥ मेघमधुलदयक॥ गमथ॥ ॥ अथ यं मधुलं सम्यक् क्रिया मेघयवमिनी॥ यथापूर्वं
नथस्यासु॥ दवमानां कलाकुमा॥ यादृक्कोटिरुवदस्य॥ गमयसि कलाउरने॥ यादृक्कृष्णानूलावमन्थनाः
दमस्यानुमधुलं॥ धनयूषाया नमः नयानक
कं नय॥ उं निष्ठवजदृष्टा मरुवददयम
वीनहं प्रनिष्ठकसमाश्रितनाथसः॥ यादृ
काय॥ मधु॥ हं हन्ता मेम॥ विसर्जन॥ ॥ धनमिषीमधुलयूजाया नमः॥ दकसादं ४ दृष्टयस्वी दृष्टय॥ मधु
लयावकन॥ ॥ हं मिथ्यायि॥ क्रायां॥ सुदिनसमुद्रयायालिसेनाथ॥ धार्थनाया नमः॥ गुर्वं कया दः

याडा. दुमिनाजगहजधका. कार्यी म्माघयामया. अस्तिवृद्धयाका. नकडा. लदमनविद्या. कृष्. दि.
विद्या. नदीनीप्रसथुया. स्वप्रयानिकासाया. म्माघयामला. कम्पवन. वादयडाज. म्मेता. ययका. न
कसाययका. यययावा. नययका. बुकायाः. निदवीयाथमसाथल. बुकायनिदवीयाकवि
मियात. बुकायनिदवीहयगधिंमसा. य
यीनवर्ह. हंसवाहं. निवीधामेसा. मगहु
मांगहव. रुक. म. द्वा. बुद्धवाजा. मनि. लिंम. निवा. येस. सिद्धा. महु. विद्या. बुद्धि. विद्या. कहु.
॥ उरुप्रमाहन्ववीरन्वमवर्ह. किमूत्र. स्वर्वांग. वृद्धवाहं. विद्या. मग. काध. नेवा. वनीनः

दि. वासुकेनागा। य हा प्रमृसा। य वरु हे प्रवा। रुत रुति द्वाला। क व व राजा। एम क रू। नि वलि क रे य।
 सि द्वा. भ व प्रिया. रु न्म ड ल्या क ड॥ ॥ या प्रेम। ए ड्वा य नि। कू क म व रू। ग ड वा हां। म र्म को से मा।
 म ग गृ ड्वा। य या से न दि। न क क ना ग। का हां। क म म्भ म न। या व व ड्वा हे प्रवा। सा र्वा ल रु न॥ व
 वृ द वा जा। वा वृ मि। प्रि मि व लिं ग। रे य. सि द्वा। ना ग कू। या। व वृ म क ड्वा॥ ॥ द रि स स. वा य हि
 प्र क व रू। अं क न. मा हि व वा हां। वृ क को से मा। म ग. व म। ज म य नि न दि। क कू ट क ना ग। क रं क
 हे प्रवा। म्भ म न। वी व व ड्वा हे प्रवा। रु न. पू र्वा ल. ड म्भ या जा। क म्भ की र्थ. नि व लिं ग। रे य. सि द्वा. च का दि।
 या. का ला प्रि क ड्वा॥ ॥ म र्म को से मा। प्रि। व क व रू। क र्ति। क्क ल्वा वा हां। क प्र अ से मा. म ग. स नां ग म

36

ध्मो ने न दी। य प्र ना ग। अ रू त हा स म्भ म न। प्र ल व ड्वा हे प्रवा। रु न. ध्म र्म ह्वा ल। म्प्रि द व ना जा जा। रे य.। से
 द्वा दि वा क प्र या। म्भ ह हा स क ड्वा॥ ॥ ने ज ह्वा वि क रि। म्भ म व रू. व क। ग वृ ड्वा हां। य क टि सि मा।
 म ग वा स। ए ड्वा क म नि न दी। म हा य म ना ग। ल की व न ह्वा ता स न म्भ म्भ। वी व व ड्वा हे प्रवा। रु
 न। वि वा वा। य क वा जा। ग म्भ व नि सि व लिं। ग. रे य.। से द्वा. क कू ले या। क यं ह्वा क ड्वा॥ ॥
 वा यु व वा म्भ ह्वा. व क व रू। क या न। य न। वा हां। म रू न। सि मा. म ग. रु ल्वा। म्भ म नि नः
 दी। मं व या ल ना ग। धा नां म्भ क म्भ म्भ। का ल व ड्वा हे प्रवा। रु न. स प्र द्वा। द व की र्थ. नि व लिं ग। रे य. सि
 द्वा ले या। को टि क ड्वा॥ ॥ क्क म न म हा न प्री। ए म व रू। व हां ग। सिं ह वा हां। य क टि सि मा। म ग

ममंगल नमोदातदी कलिकलाग किंनेकेलाववम मां एवउरेवव हत किंसेखा प्रमहादवना
 जाहवहावागेवालेंग. येथ. सेका. वेव्याका. उडी. मानवोत्रेनुकृता ॥ थनंजनां. युधकाकाया. रुखा
 उरुत्र. डलकाया. आमा. या. येमस. खाना ॥ यात्रका. दाकिं. स. मुकवा. या. पीता. अ. ये. म
 दाकिं. रु. पीता. ने. अ. पी. त. व. का. वा. य ॥ यमडंडि. व. क. आ. सा. उ. मान. यमसथनी. म
 मरु. मा. ॥ थनं. ले. का. व. व. क. स. या. ॥ क. द. वे. या. म. द. वी. ना. य. व. रु. ॥ य. व. व. ल. का. स. म. व.
 व. कु. म. द. वी. ॥ उ. रु. व. ह. य. पी. व. स. म. व. ॥ ख. ल. ला. दि. का. द. वी. ॥ या. ये. म. मा. का. ने. गा. रु. स. म. व. ॥ मु. धि. नी. द. वी.
 ॥ दा. किं. ला. ह. व. क. स. म. व. ॥ व. क. व. रु. नी. द. वी. ॥ अ. ये. य. म. न. रु. अ. व. सं. व. व. ॥ सु. वि. ना. द. वी. ॥ ने. अ. य. ये. वा. व.

३५

नासमवनामहावनादवी वायू. व. क. स. स. स. म. व. ॥ व. क. व. रु. नी. द. वी. ॥ उ. डी. मान. महावनासमवनाम
 हादवी. ॥ थनं. ले. वा. क. क. स. ॥ मा. म. स. म. व. ॥ या. क. द. वी. ॥ मा. उ. व. रु. ॥ य. व. उ. डी. ल. का. स. म. व. ॥ ने. वा. व. नी.
 द. वी. ॥ उ. रु. व. महावी. वा. स. म. व. ॥ महा. रु. व. वी.
 ला. स. रु. डा. स. म. व. ॥ महा. रु. के. द. वी. ॥ अ. ये.
 स. रु. ड. का. द. वी. ॥ वा. य. या. वे. व. या. का. स. म. व. ॥ ह. डा. स. म. व. ॥ आ. मा. द. वी. ॥ ने. अ. य. महा. रु. व. व. स. म. व.
 स. म. व. ॥ ॥ थनं. ले. ये. रु. व. क. ॥ या. क. द. त. या. म. द. वी. ॥ हा. रु. व. रु. ॥ य. व. स. स. रु. क. या. लि. नी. स. म. व. ॥
 य. व. उ. डी. ॥ उ. रु. व. महा. रु. का. व. स. म. व. ॥ व. रु. अ. दि. वी. पा. या. ये. म. क. का. व. स. म. व. ॥ य. रु. म. ॥ ने. द. वी. ॥

किं

दक्षिण। विकट। हिसं वन। महानासा दक्षी। अरुं प्रसू। विनासमय। वीनमोति दक्षी। ने अरु। अमृताह स
 मय। यववी दक्षी। वायव्य। सहासमय। लंकमय दक्षी। अरु। मम। महा कलिसमय। ६ मद्यया दक्षी।
 ॥ धर्मो ले इ न ॥ ॥ पूर्वमं जाके नी दक्षी। उरुप्रस। वामा दक्षी। ॥ धर्मि म स. सवुजा हा दक्षी।
 दक्षिण स. ययिनी दक्षी। ॥ धर्मो ले. य। कन स. या उदय सं कया। ॥ अमृताह उमव ॥
 ॥ धर्म इ न ॥ ॥ ली ह वृ कया. भुं का रं स म। वृया. हा. या ना ल स ॥ यमु मृ ग स. यमु दी य. यमु
 दिग स ॥ पूर्व स. विद ह ॥ उरु प्र स. क नु रु वं ॥ धर्मि म स. र म दा व त्रि। दक्षिण स. उमृ दी य ॥ धर्मि म
 स. उया द न रु वं ॥ यमा। अरु ना। सुदर्भ ना। निर्मो न व नि। व स व र्हि। सुमि ना। अक रि का। सुखा व नि

३६

ने व सं ह ॥ मा म सं ह ॥ धर्मि रु व न ॥ अक रि का रु व न स ॥ लं का व र्मा मि म लु रं. कं का व र्मा व रु म लु रं
 न न र म. रु व काली अली ट या य यि. रु ग व कं क स व र्ध. व रु म र्वा ॥ क स. म म. न क. यी मं. यु मि म र्वा
 छि न रुं ऊ टा म क ट ध रं. वि म व रु अरु व
 ना हि म लिंग न ॥ दि नी य रु उ द य न. ग रु व
 रु उ द य न. क र्हि क पा ल ध रं. य म रु
 व रु म म ध रं. य रु म डा वि रु मि न ॥ म ना र्ध म रु मा ल लं क न ॥ वा य व र्मा क र्हि व र्हि न ॥ क य व र्मा य व
 र्मा र्हि न ॥ व रु म रु हा वा व लि. रु ग व क मि नि ॥ अरु व कया. म मी स स. व रु म. जा के नी ॥ धर्मि स. वामा

याडा ॥ लं वृद्ध कल ज्ञान मूढा मनु प्रविष्टिना ॥ हनिष्यथानि आउरु यिं वृद्ध या कल स जन्म कल मूढा
 मनु नं श्रीधिया न या क ॥ थ मलु ल द मे न या ना पृथ्वी ॥ ॥ वज्र य प्रा गु ल लि र्ग मनु मा ला ध वं कृ ॥ आ
 श वज्र ड य म ड म नो ह र्ध न र्ग मनु मनु आ ॥ ॥ थ न नी य ध य क ॥ वज्र म लु ॥ २८
 लं म हा म लु लं य वि श द ॥ थ र्थि गु व र म लु
 लं म हा म लु लं द मे ना ह ॥ थ र्थि गु या म म लु
 म लु लं म हा म लु लं दि के ना ह ॥ हा ४ हा ४ हा ४ हा ४ ॥ ३ ॥ म ड वं गु म लु ल या दि के मि से का य ध ना
 हा हा हा ॥ डि मि म हा स र व र ल व क ध ल ॥ ॥ थ न ली ति य ४ ४ मनु ४ द क ल द ४ का य ॥ उं य

किं गु ॥ क ल मि मां व ल म हा व ल मि ॥ ॥ ह नि मा ला रि व क ति धि ॥ ॥ थ न ॥ डि गु प्र या नं ॥ मि य
 या न रु गु लि स रि या या आ सं य धे ला य ॥ मि य स न ॥ गु व म लु ल द न क ॥ वि स र्ज न ॥ डि क या धि य
 न ॥ ॥ म् थ य न ॥ का धि व र र वृ द्धा नां
 या म थ ग र्ग वृ द्धा र्थि न ग र्थ म् रि य क ति ल
 य ल व र्जा दे द दा हे म ॥ य व स दि यं वि स
 वि र्ने ना द ल क म ला यां ले वृ द्ध सूर्य उ य वि र्ने मि र्थं स य ति कं व र ध म र्थी वि स य ॥ ॥ म् थ य
 ति ॥ व र ना ल य म न हं ना य ॥ ॥ मि य व र्ग ॥ वृ द्धा ना स रि व क रु ज ग ज स य व डि नां गु द क नां

लघुसंख्यं ॥ अथ लेखक देव उच्यते ॥ अथ लेखक देव उच्यते ॥

मकुटनाथिकम् । मकुटनाथीनेषाम्प्रवृत्तिः
 भाग्यदिविहङ्कृतैरित्यमानं नृपवशादि
 जाधियानेनामनकस्यथवशकनकवन्मादिद्य
 यश्चतुर्भागेष्टमस्त्विति नागेयचक्रवारिनी
 त्वद्दृश्यमुधियथयथाक्रमं च वमकुटनय

॥ वज्रविदामे ॥ वज्रमदा ॥ वज्रकाकना ॥ वज्रयुक्ताका ॥ वज्रमाया ॥ वज्रादया ॥
 ॥ वज्रनेनात्मा ॥ वज्ररुक्ता ॥ वज्रावलि ॥ वज्रकरि ॥ वज्रसामाके ॥ वज्रप्रति ॥
 ॥ वज्रदाकिरि ॥ वज्ररामोत्रि ॥ वज्र
 ॥ वज्रहास ॥ वज्रवेसा ॥ वज्र
 ॥ वज्रयोग ॥ वज्रग
 वज्रमातंदा ॥ वज्रप्रति ॥ ॥ वज्रगंधा ॥ वज्रवदना ॥ वज्रमाया ॥ वज्रकाया ॥
 वज्रतर्ज्या ॥ समयवज्र ॥ वज्रप्रति ॥ ॥ वज्रनामारे ॥ वज्रप्रति ॥

४४

लमहं ॥ वेदान्तधर्मतामीनं ॥ लनमुद्राकनादिना ॥ ॥ वज्रविदामे ॥ वज्रमदा ॥ वज्रकाकना ॥ वज्रयुक्ताका ॥ वज्रमाया ॥ वज्रादया ॥
 ॥ वज्रनेनात्मा ॥ वज्ररुक्ता ॥ वज्रावलि ॥ वज्रकरि ॥ वज्रसामाके ॥ वज्रप्रति ॥
 ॥ वज्रदाकिरि ॥ वज्ररामोत्रि ॥ वज्र
 ॥ वज्रहास ॥ वज्रवेसा ॥ वज्र
 ॥ वज्रयोग ॥ वज्रग
 वज्रमातंदा ॥ वज्रप्रति ॥ ॥ वज्रगंधा ॥ वज्रवदना ॥ वज्रमाया ॥ वज्रकाया ॥
 वज्रतर्ज्या ॥ समयवज्र ॥ वज्रप्रति ॥ ॥ वज्रनामारे ॥ वज्रप्रति ॥

कायेन ॥ १ ॥ जिनेमम ॥ धार्थेगुच ॥ सुमिनिविषय ॥ हामेसंका ॥ कवलसया ॥ तेअ ॥ घकविग्या ॥
 नहुवाभासीधर्म ॥ सहादभना ॥ निदानकथा ॥ गमा ॥ मेधिअऊ ॥ नाय ॥ सुमेघ ॥ हिचक ॥
 धनमेघानय ॥ धावक ॥ मरु ॥ सहावउ ॥ अहेरुव ॥ सहावेविहवीरुन ॥ सहावेमुद ॥
 यकया ॥ धा ॥ सहावमदुदयक ॥ सहा ॥ सहावेउ ॥ सहावेरुयनयप्रसा ॥ सहा ॥ धा ॥ सहा ॥
 सहावे ॥ सुकयाय ॥ हिंकु ॥ मधन ॥ सहायाय ॥ सहा ॥ सहावेक ॥ यान ॥ ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥
 क ॥ नदनमूडा ॥ हेसमथा ॥ यका ॥ मनमू ॥ मिह ॥ सहा ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥
 सा ॥ सहा ॥ मिह ॥ सहा ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥

४५

किअ ॥ धमूडा ॥ हिंक ॥ सिप्रया ॥ नाआ ॥ तेअ ॥ ॥ सहायाय ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥
 मूमा ॥ गि ॥ वे ॥ हि ॥ सि ॥ सहा ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥
 मय ॥ धा ॥ सहा ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥
 सुका ॥ मी ॥ य ॥ सहा ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥
 वं ॥ वं ॥ नदन ॥ सहा ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥
 समय ॥ नम ॥ सहा ॥ मूडा ॥ मू ॥ सि ॥ सहा ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥
 सहा ॥ नम ॥ सहा ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥ सहावे ॥

किं विंशमाने विंश ॥ ॥ भो त्वं त्वं न हा व ॥ श्रीरेश्वरं महावंजं देवभक्तं नमस्कृतं ॥ श्रीरेश्वरं
 कनकावनमहावज्रं सहा व ॥ केरुवननमायायानमयागु ॥ ददामि सर्वव्यानी ॥ विदुष्या
 नयसंरुवं ॥ ॥ भो श्याने समसुक्तं ॥ ॥ नयास्वकारुदन जायनयुगुडेन विद्य ॥ ॥ ४८
 ॐ सर्वकथागता रेश्वरं समलेख्यं साहा
 विंश ॥ अथ नथागतदवी भुवहानस
 मरु ॥ ॐ सुप्रतिष्ठितं वज्रं साहा ॥ इत्ययथादियुक्ता ॥ ॥ नथा वार्क्या सिखां हुसमां विंश
 प्रहावे वाउभादि की ॥ साहा नथागत ॥ साहा नथागत ॥ अमरुदद ॥ साहा व ॥ ॥

यच्छ्रवणसमायाग ॥ दावाय सवनं मना मेति ॥ यच्छ्रवणजयागया कनजावाय यावदनम
 म ॥ मरुतं यमिष्टं मना मरुतमरुम ॥ मरुतनयमभलं नृगलनमरुतलउरुम ॥ कृटी
 मप्रामिनिहानं विरु कृदसमदुयं ॥ ॥ ॥ अथागु ॥ यथासिधयथाजनं रुह ॥ ॥ नन
 संरुयमा वेवावनयुयामेदं कृटीमप्रामि
 सनयश्च वृद्धयुका लोमा ॥ यश्च मभदा
 ॥ अथ वेदया रेश्वरा यत्र सावाया रेश्वर ॥ यश्च मरुयम ॥ श्रीरेश्वरं उरुम ॥ श्रीरेश्वरा श्रीरेश्वर
 ॥ अथादेनी वनानी नलविद्युडे ॥ ॥ अरुमिमावाया रेश्वर विधि ॥ ॥ ॥ यने हसीजा

30

三

लयालया तजधनमकमूले वजयागं संकुश रुयागं गुमूले यक ॥ मूडायुसादका रुश वजया
 गमनूहवे ॥ हगुवृमूडायुसादं मूले यगु वजयागं रुयहिरुयागं गुमूले यक विषा विषा ह म ॥
 संसात्रयंक संघात पारणा हंजास मत्रश
 नसखरुस संसाधिया मविक्का हन थध
 क ॥ ॥ वृकयूजायथा नीके ॥ सेकावः
 कुषानि स थाथं गुमूले यक विषा वजध मत्रज उहिरुल ॥ मेंनामिलान थावस काधिविरु नत्रावः
 एम ॥ ॥ हंसेव्ययति सेसाविय थर्थ काधिविरु नत्रावस ॥ ॥ थन मीन सहजसनी वृह ॥ ॥

५१०

थनरुख्य मूलमकुयदयं माकेन तजालान मधुपुन विषन क याल ३ ॥ ॥ उवायन मय ॥ मूहा
 महासखामिनि ॥ हाहाहा नअधं महासखवज ॥ रुकाते गुकाहे यक ॥ ॥ मूला मना ॥ यथा दय
 भादन पाका गुममनूह ॥ हगुवृह लयाः
 धन ॥ पुहृहा नाहे यकार्थ कूनाथ मूनुग
 हानि थकिमेरु वि स विषा यमाल ॥ थन
 थावृद्धे यकालिना ॥ थधन मना हन थप्रय मत्रय वृद्धन कल्य नाका ठा नया गु ॥ वक क म पुथा
 एम ॥ समासा दय संसुवं ॥ वकया कथं यग उयहिरुयागं गुमूले यक विषा विषा ह म ॥ ॥

साधिक कमावेलापिकं श्रीनिसासगाभिक स मसा लाय ता हेतं । नेनं व न स वा नेल हं म ख क य
 मय दार्मिकं कु दं ड या ॥ ॥ श्री न धायक ॥ किं लं म द ह व ल । वे न्नु का दि रु क री ॥ ह मि य दू उ
 ला ह ल । वि न्नु का दि रु क री या ॥ प्र क्त ॥ मु क्त र्थ मा न्ने श्री लां रु किं स या य ॥ प्र क्त मु क्त र्थ
 मां स । क्रिया क रु क ला यि आ ॥ यं व नं ह ग य स ॥ म क्ति ह व स य थ म् स य मि ति ॥ ह मि य या वि दू मि न
 क अ र्ध स ख ला य या न । रु ग य स म न्नु य ना ॥ या ॥ ॥ य न्नु य न धायक ॥ किं वा हं ना स ह द वी
 मु क्त र्थ का दि रु क री ॥ य न्नु य न धायक ॥ ॥ रु क्ति ह द ला ह ल । मु क्त र्थ मां दि रु क री या ॥ का या रु किं
 स दा मु की र्थ । वृ य नं ह ग य स ॥ का र्थ या य । क्रिया क न्नु य ना या अ रु ग य स ॥ रु मि क्ति य ॥ ह मि न य

५१

न य स मा ला क य मि रु स्या दि ना ॥ ॥ थ न यु हा रि य क ॥ ॥ श्री स य र्थ म दी यं दि य रं स र्थ मा य स
 म चि त ॥ श्री वा र्थ क अ र्ध रु ग य स म स स ख न रं रु क ॥ य ४ स व या ने वि धा न न न स्या ह म अ न रु क ॥
 म क्त र्थ स व स य र्थ वि धि र्थ या दू अ न यो ना ॥ क न्नु य र्थ य थ का र्थ स व दू न धा न्ना दि कं ॥ थ र्थि र्थ न
 व ला य या न वृ क्त मा न ध ना या ॥ स यं म द ॥ स र्वं वा ज्ञा न न व दि स दा हि न ॥ श्री मा म हा स र्व
 वा ज्ञा थं न अ र्ध स र्व स रु पि ना ॥ रु क्त मा क्त ॥ ह ॥ य न्नु य न धायक ॥ ॥ थ न म् अ र्ध य न्नु क का य ॥
 हा व ना ॥ स यं द व ना अ स य र्थ म् रु क्त य ह द वी आ व रु थ मि नि नू या नि ष्ठा य ॥ मि वा क्ति दि ना पु मा ज्ञा
 नू या द य थ क्त मं ॥ उं हं स्या मा ह ॥ रु मि य र्थ रु क्त क म ला यी नि रु क्त ला ॥ थ प स या अ । पु रु षा ला ह ल

5757

[illegible]

मात्रेधमयसमयत्वं त्वधृक्कृदं ॥ उं सर्ववृद्धा के नीयवजवर्धनीयवजवेनावनीयवर्धं ॥
 स्वाहा ॥ **उं अयं, काठिका ॥** ॥ गृह्णदुरु मना तीव्र, काठिका त्वसंरु बा नैर्को आवज सत्व मृदयं ।
काठिका ॥ उं माध्वन यत्र ममाध्वना ॥ अदि **उं नडि कं कृदं स्वाहा ॥** उं ह न मा डी स्वाहा ॥
 कं वायन हृदं कं कृदं स्वाहा ॥ **वृव कदयं** ॥ गृह्णदुरु मना तीव्र, वृवक माध्वना अर्क आव
 ज सत्व सत्व मृदया ॥ **वृव क ॥** ॥ उं **हं** ॥ कं कृदं स्वाहा ॥ उं वं हं कं कृदं स्वाहा ॥
 कं कृदं स्वाहा ॥ **मत्तला ॥** गृह्णदुरु मना तीव्र, मत्तला नृमा घा मो ड नृा येनं ॥ आवज सत्व सत्व मृद
 य ॥ **आत्मा, मत्तला ॥** ॥ उं आवज ह नृ कं कृदं ॥ जा के नी जाल सं वनं स्वाहा ॥ नो यत्र उ म स

[illegible]

उर्वरामात्रानुसूदनामृत्प्रभिनूह्यादिदुंघथाकर्मत्रेतावनादिप्रयाध्यात्वा ॥ यनयय
 तथागतोविद्विद्य ॥ सर्वसत्त्वहितार्थाय सर्वलाकष्यसर्वत ॥ सकलजातिहिताययथाज्ञसक
 ललाकसंस्कारेन ॥ यथावेनयः ॥ कावेभ्यः धर्मवक्तुवर्हय ॥ धार्मिगुतिन
 यनयाना संसात्रेकाया यथात धर्मवक्तु ॥ पुत्रकृतं ॥ ॥ पुत्राययस्यप्राप्ता ॥ वि
 तामातोत्रिकायमि ॥ मृमयुह्यायसहाव ॥ ह्यानांगु ॥ विनामातेकल्यवृत्तार्थ ॥ ह्यमद
 गुवस्तु ॥ ॥ मृदिनाविनासासंगः सत्त्वार्थकृत्मांयुक्त ॥ विनह्यममातवस्तु कमातायार्थ
 ज्ञातेयामृत्प्राप्ता ॥ ॥ यनामेवयथायक ॥ उर्वरायैकविध्यामि यथा ह्यययमि पुत्र ॥ ह

पुत्रकृतफलस्य गार्थम्राहदत्तार्थेतिमिसंयायहत्वा ॥ यनदुक्तकृतक ॥ नदनुवनात्र
 नादिप्रयनवर्लावेकाय ॥ मेव्यायमृत्प्रह्या ॥ नकाजं धर्मवक्तुं उर्वरदुक्तं ॥ लविकीतेन
 क ॥ ह्योमृत्क वक्तुनामनथागाकसिदे ॥ समयत्वं उर्वर ॥ ॥ यनामेवयंमदुल
 दूयक ॥ पुत्र्यायनदूय ॥ गीत ॥ सुप्राने ॥ मातिनसुलवक्तुं उर्वरदुक्तयनाकावेना
 नं ॥ ॥ सद्युमिनादिन रुष्मिमनकं ॥ नदनुवगीतवममनाह ॥ ॥ यकवृद्धम
 कसर्वह्यर्थययक नानक ॥ विद्वद्विद्य ॥ ॥ यातादेयमहासहनामा ॥ नृत्तुगीतमनक
 वस ॥ ॥ यवकयानमालिकृतहितायं ॥ माथवनिवप्रमृत्तवनीवनं ॥ ॥ वृद्धनृतिव

नवदुर्गुल्लसंशुक्रानेनादहविषयस्यंशु॥ ॥वडातेयनयदायजिमादेनननवईश्वरु
 वनयावेयात्रेतामिदंसकलायं॥ ॥ननाईश्वरुननननईईईई॥ ॥यत्रयतिदितादितास
 कथागनविक्कावेया॥थासिलाकयाखक
 वनेयात्रेतां समकानभादितानांयात्र
 नयादवयुयानेसुअत्मात्रकायानस
 उडात्रयात्राकानवेयावनेत्रकायाकइयाय॥ ॥युर्वमृकायंआत्मावजगतागंजहाना
 कास्यसुअत्मेवकिहेवनवात्रेतासुअत्माकायसुयायर्थमृकासुहोलेमं॥किमुवमयादवयु

५२

कयानेसुअत्माकायसुअत्मेनगुक्रानेमवजलाहीलायमदुगुवजसंत्वायायमहअवजयावअ
 वजावेइइयानेसुकाअथापिअत्माकायनलकायाकइयाय॥ ६ ॥उंमृसिंसरुवंधात्माअत्मे
 वाकिमुवनवात्रेतामिदंसकलायं॥ ॥यत्रयतिदितादितास
 कथागनविक्कावेया॥थासिलाकयाखक
 वनेयात्रेतां समकानभादितानांयात्र
 नयादवयुयानेसुअत्मात्रकायानस
 उडात्रयात्राकानवेयावनेत्रकायाकइयाय॥ ॥युर्वमृकायंआत्मावजगतागंजहाना
 कास्यसुअत्मेवकिहेवनवात्रेतासुअत्माकायसुयायर्थमृकासुहोलेमं॥किमुवमयादवयु

लया॥ संसा २२॥ या यथा क. मलु लया विधि कर्म ह. मि सं या अ॥ लि लि क र्वा पु य त्व न. न की आ आ त सा थ
 का॥ आ अ ह. मि सं ध र्मि गु म लु ल. वा य. द य क. वि धि या य आ थ श ल॥ ह ह्वा धा ने षा य त र्म. न ह स्था. ह मः
 म लु लं॥ आ अ. थ म लु ल स या अ. इ हा अ या अ. न ह स्य म लु ल स इ वि अ॥ स र्व या य वि नि र्म क र
 वा न दे व सो षे त ॥ आ अ ह. मि या यं रू न न व क सं अ न म मा ल रा हिं गु थ स स दी वा न द न॥ न
 ह्वा सो व नं न वि. या ना द स्या म हा सृ खा ॥ आ अ ह. विं थ म हा या न से. हे न क वा न रु न सा य र्व
 क र्म अ न सा हि म य॥ ति र्व नि रु व दृ श्वा न. नृ नं न रु व लु द य॥ सं सा २३॥ या इ ४ वि रु क मू किं अ न. मि न
 दि वा य द न॥ नृ या हि हे रु आ यू र्वा. स र्व वृ द्धे स वा जे नी॥ आ अ ह. या ने स म रु व द्ध. वा धि स र्व या सि

नै. न अ ध न य प्र व ह ल ॥ वि रु त नं स हा वा र्जं, स्वा मि त मि ने त्रि शे र्गं ॥ आ अ रु पिं वि रु व न या लाः
क नं, न अ ध न य प्र व ह ल, मा न्य या वि आ ॥ वि वा ग्ग स द र्श या यं, स न ना सि वि धा रु क ॥ का म क्रा ध ला
ह, थ पिं, या यं र्दं, स द र ॥ न स्मा का म वि वा
या य ऊ व म वि त स, इ म का स ना ल नि आ ॥
वां हू उ य रा ग, म ना ल रु, या यं, का ल न य या
ह नि य आ अ रु मि सं, ठा मा मा स, मृ मृ न रु क हा या आ ॥ न दि या वि व र्ध का र्थं, श्री व र्ध नं य वि र्ध रु न ॥ या
वि व र्ध न या य म द, वि व र्ध न या म व र ना ल न स न आ ॥ आ वा य रु न स या रु ॥ स म्भ वा इ व मि क मा ॥

हनिष्यदुदुग्ममस उपाध्याय्याया कल्पी गुण्डुकादिनी नेंदनाया यमदुया न मा धर्मजदुयि
 क्षमा ॥ ३॥ नास्ति कोरेद कर्षी प्रहाया यमन न मा ॥ विवेक न तवरी श्री य वृष कयम न मा ॥ मा ह
 विवि नास्ति कयायं तथा मा न मा ॥ न मा गमं ग्राह दयका न मा गु डिव वंथा ह मि सः
 या न मा ग्राह सी ह मि नः ॥ ने वृ नित्य द लाय ॥ श्री ये व धर्म न सी य यथा वि धा रे वि कः ॥ के य पुः
 मय य स ने म ना रे ॥ क ला ए य व सर्व वः ॥ इ या धि स से स म वा क य न ॥ ५२ ॥ ने मा न स ना व
 धि ॥ ० ॥ ध न सि या ये स ना य म क न आ न क गु व या ॥ ने आ र म उ न ड य क गु व या व न ह य ॥
 मी नः ॥ ने जं गु व ॥ ॥ क ॥ म व म गु ल वि न्य व ज ह ले न ॥ ये र म ड क म न न ने वा सा द य व कः ॥

मा ह म दि नं वि रु भ ल मि पु रु ॥ मृ स क न स वी य द व न न या का का अ रु थ क वा न्य स म गु ल व क
 ना थ क म हं ह व क ना थं न म ॥ ॥ ध न य अ र था स सं क य ॥ ने य न अ य क ॥ ग्रा य म स ह लं ज नं स र
 लं जी वि नं व म ॥ ग्रा य वृ ड क ल का मा वृ ड य ॥ का र मि मां य नं ॥ ॥ ६ गु व ह ना थ ह ॥ स या ल या य साः
 दं ॥ के ये नं न क या या सा ह ल्य ह ला ना द ॥ यी सा ह ल्य ह ल ॥ ग्रा य डी ये वृ ड क न स ज न्य का या
 या वृ ड या का य ड य ॥ ॥ ॥ ध नं द न य ॥ के न य ॥ मा का ना से हं ल य म उ ल यि ल स्का नः
 म न म ना क व स र्घ म ह ॥ ने य य वि क पु जा क ल द क था ॥ ॥ व क न ॥ न ना गु व द द या ॥ ॥
 धा ग ना क द क था ना ना लं का ल व सु दी न स म वी ल वि र म य न ॥ ॥ ॥ व ना ना यि क र्थ व म उ ल य य न ॥

पुनः ॥ वायुहरी कवंचयुक्ती दासि सुदासं तथा ॥ हस्तस्य धनधान्यकार्यमप्रथमं मुक्तं ससंन
 धा ॥ सस्यममहि श्रीगृहादि कसल नामादिकं मेलनं हाऊन सस्यममं मा जानं वा निवदय ॥ किं यकु
 दयगुको ॥ हजिवा पुन तीद गुत्रया नदकः
 तथा गतिं न दकसा विद्यगुना न भूतः
 प्रविं पाटय कं वत्रया भूना वस्तु विद्य ॥
 सनं धार्थे गुत्र कसं वत्रया मलुल या गुद मं नया हा दसा विद्य कला हा अ गुत्रया न धुगु कथं दकना
 विद्या धुगु धर्म सदां द वना या गुआ गुम स वा हा क अ धं गुद द ला हा अ न ॥ धार्थे गुत्र गुत्रया न दक

साम वि सं सा हस्त म हा अ वा य वा न सा गुत्र ये न
 का व स व र्ण या आ हा या नि ला हे ल व गुा दि द अं क
 वि म यं थ अ न वी व द क सा वि य थ न न द व ला वि

33

ना विद्य गु द ह भल सा ला सा विद्य मा य मा ल ह मी विद्य मा ल का य मा ल द क सा विद्य मा ल व ल ह्या नि
 द क सा विद्य मा ल ह न स ल कि सि ह ह्या दि द क सा विद्य मा ल स व र्ण नू य्य आ दि ध न विद्य उ म ह आ दि व
 गुया वि वि दि विद्य ॥ स व र्ण नू या न व त लः
 गुमा ल उ गु न सु भू मु द य का आ विद्य ॥ इ इ
 आ विद्य ॥ का र वा य व गु आ दि व स जा न ला हा य द मा ता ले कुं जी गी दि गु र ल स ना या न म र व कि क
 क ल था य मा ल आ दि व स जा न हा ला दि द क सा विद्य मा ल वा का ला सा वि व ह ग हा य स म न
 द क सा वि य थ अ गु आ ला गु आ द क सा वि य मा ल थाले वि धां म ध क सं वा म र् थ म स वा न

या न न मी ला हे ल द य का आ वि य गुत्र या न गु
 हा र द क सा वि य व स मा दि व वि य द द य का

वाक्. सकलं दक्षिण विद्यमान ॥ ॥ दक्षिण ॥ दक्षिण सम्यग् युवा सा विद्यमानं, लोहे ॥ गीत ॥ मा ल
 वाहे कल्याणं गुणं युवा ॥ सम्यग् युवा ॥ विस्मृत ॥ मधुया नाल ज्ञाया मन्त्र ॥ मन्त्र ॥ गी
 त ॥ काचित् लवंगा ॥ मूलानां नृणां कायमा ॥ मधुल दृष्टा ॥ लमा ॥ धनं मिथ्य सचं प्रविद्य ॥ दम
 पाते नृया ॥ गणपति ॥ गीत ॥ लसत्र ॥ उक्ते ॥ यमा ल ॥ मन्त्र ॥ गीत ॥ ॥ मिदमा ॥ विष्क विधि ॥
 ॥ धनं दविद्ययुक्ता ॥ कृष्ण ॥ काया ॥ कोल ॥ नृणां ॥ मिथ्य कर्मा या यधुन काया ॥ विष्क मर्थ ॥ ॥
 कय ॥ कृष्ण ॥ सचं ॥ मन्त्र ॥ नागय ॥ उक्ते ॥ युक्ता ॥ कल स ॥ य ॥ य ॥ सा ॥ मि ॥ मन्त्र ॥ गीत ॥ गीत ॥ गुणं मन्त्र ॥
 वा ॥ समाधि ॥ ॥ धनं मा ॥ सा ॥ कर्मा ॥ क मर्थ ॥ ॥ क य ॥ ॥ काया ॥ ल ॥ सा ॥ गुणं मन्त्र ॥ य ॥ क मन्त्र ॥

यश्च सा लमादिं यजा ॥ युक्तिया ॥ निद व यजा ॥ सिद्ध कय ॥ सह निरुय ॥ काल यजा ॥ मन्त्र ॥ दि काय ॥ लाल ज्ञाय
 मधुल थिल ॥ विस्मृत ॥ ॥ गुणं ॥ निरुय ॥ के गठ विधि ॥ ॥ नदि न मन्त्र ॥ वागमा ॥ गीत ॥ वि
 ग्व सवा ॥ मधुल विस्मृत ॥ नि समाधि ॥ गीत ॥ मन्त्र ॥ युक्ता ॥ सचं ॥ मन्त्र ॥ नागय ॥ मन्त्र ॥
 जा ॥ गीत ॥ मन्त्र ॥ य ॥ मन्त्र ॥ गीत ॥ मन्त्र ॥ य ॥ मन्त्र ॥ गीत ॥ मन्त्र ॥ य ॥ मन्त्र ॥ गीत ॥ मन्त्र ॥
 युजा ॥ मन्त्र ॥ गीत ॥ मन्त्र ॥ य ॥ मन्त्र ॥ गीत ॥ मन्त्र ॥ य ॥ मन्त्र ॥ गीत ॥ मन्त्र ॥ य ॥ मन्त्र ॥ गीत ॥ मन्त्र ॥
 गीत ॥ मन्त्र ॥ गीत ॥ मन्त्र ॥ य ॥ मन्त्र ॥ गीत ॥ मन्त्र ॥ य ॥ मन्त्र ॥ गीत ॥ मन्त्र ॥ य ॥ मन्त्र ॥ गीत ॥ मन्त्र ॥
 काया ॥ या ॥ गो ॥ निरुय ॥ मा ॥ निरुय ॥ या ॥ निरुय ॥ या ॥ निरुय ॥ या ॥ निरुय ॥ या ॥ निरुय ॥ या ॥ निरुय ॥

रायक गीत क बाहु ॥ धर्म दय ॥ सुलाया न स मूलया क स र्वांगु का ड थ ॥ धर्म दय ॥ वना मा धि सु ला
 हा क न या य थ सा वि न या ॥ मी सा हू ने द य ॥ थ सा वा ल सा य ॥ मय ला द य ॥ धा ने ध न का उ ॥ सु बा या न न
 किं यो मी ने या क ॥ य ॥ थ य हा न य ॥ म ना ॥ ५७ ॥ ॥ थ य ॥ थ सा वि ने द य क ॥ गी त ॥ हा हा रु न ॥ ५७
 सा ॥ गी त ॥ माल का ॥ य थ ॥ थ सा हा न क थ न ॥ ॥ हे ल क ॥ थ न न ॥ ल त का य क ॥ ल क ॥ य ॥ क सा वि य ॥ क
 या य ॥ य थ का जान क ॥ मे या ॥ धि वा स न ॥ मे ॥ थ ॥ या य ॥ म थ ल ॥ थि ल क ॥ कि न न ॥ मे ना रु न ॥ ॥ थ ॥
 या य ॥ म व ॥ म ल ॥ मी ने या का ड थ ॥ ही वी दि ॥ वि दि द य ॥ सु बा या न स ॥ थ ल ॥ य क थ ॥ य मू का ॥ व रु द क
 ॥ म स ॥ य ॥ धर्म द य ॥ मी ने या य ॥ सु बा या न ॥ मी ने या क ॥ य ॥ थ का का य ॥ य ॥ थ य हा न य ॥ क सा र्थ ॥ म थ

सांवे स र्क न ॥ स र्थ क य क ॥ वि लू का ॥ द रु म ॥ वा कां ॥ ने स ला य य ॥ वि नै नि क ॥ दि गु स म य थ य ॥ क ॥
 मा त्र थू का थ य ॥ वा दि ॥ वा दि क ॥ गी त ॥ वि द ह ॥ ॥ स म य ॥ व क ॥ म वा रु मि ॥ कि न य ॥ म थ ल ॥ गी क म
 मा हा य ॥ क म ॥ वा लि ॥ ना ग थ ॥ वे स र्क न ॥ ॥
 धर्म क ल न ॥ ल ॥ अ ला य ॥ ॥ मू ला वा र्थ ॥
 ह ॥ ने मं क न ॥ थ न उ या थ ॥ न कि न मी वि य ॥
 थ मू थ का वि य ॥ वि य ॥ नी ल व रु गु ॥ मू ला वा र्थ ॥ या क ॥ ल ॥ अ ला य ॥ ॥ या नु गु ॥ मा नु रु थ ॥ न ल ॥ अ ला य ॥
 वि थ व रु गु ॥ उ या थ ॥ या क ॥ वि य ॥ ॥ व र्था या ॥ क ॥ यो गु ॥ मा नु रु सी ॥ मि न न य न ॥ का हि ॥ मि सा या न रु

१३० नमः शिवाय वाक् ॥ से जा कू कू जायां से कू पूजा वे सि थां थक य ॥ सि जा कल स घ घ ह सी दि सि क न
 का उ न य अ ला क न म नृ य पा क मृ धी ॥ से जा य ५ ४ य अ स न स चं म न पा क य अ म वा मा उ सा हे न थ क
 ल य ॥ ॥ ७ वा य गु न म लु त सि धु थ य नि म्मा न व ड वा य ध म्मा द या न सं घा ते पा ते न यू जा
 य अ सा ने यू जा स द या गी नी यू जा कं स यानु कू स गु धू य द या उ न य व न्ना मा धि रू न शु य म लु त
 सं क ल्प या ना द शु य ॥ स सि ॥ मृ य ज म य दि ॥ म म न वा से वि य क ल व लि वि य नं द यू जा ॥
 उ पा अ न मा गं वा यू जा ॥ सा स ला म य मा ल सि धु न य ॥ म ह न र य ॥ आ दे का य म लु त धि ला सं त
 वा ले शु य ॥ स मा धि व ड वा वा हे द गु या य ॥ नि म्मा न क म अ ला क ल स स चं म न आ र्थे यू जा द व यू जा

५१

म लु त धि ल कि न न वा क यू जा सि धु ली न य ॥ द गु स क य का य मृ य न न स स ह ल ड न म न्ना वा
 र्थ य मृ क ल शु य ॥ ॥ ध न स न्ना स मा धि स क मां धू न का उ वा ले शु य ॥ ध न मृ वा ना र्थ य द
 उ न ॥ आ ह य ल वा र्थ मृ डा वा य ध न थ अ क स न द ह न न सी ल व न ॥ या नु
 या र्थ मां व ड वा वा हे दू यां य य या ना नू न य न द वी नू पं वा य नू ध रु अ व ड स न न व यो वे
 दिं य म ल्प न सी ना य वी ड म य पा ना नी ना ह न द व नी यु क ॥ ध नि ॥ ध न य ड स न्ना न द
 ध न न सी ल व न ॥ ॥ स द वी ड य वे आ नि ना ह न द व ना पु वि य य थ क मां व डी क लु ल क
 दि मा व ड मा व ला मृ क ल न्ना मे ता र न स र व वे मा व ना मा य सि दि नू पा मा दि नि वि वि नू न

हानसखनधनीमंघवमशोखादियनिममाधकादिमडाशुक्राद्यादेसहावंनवनिशुभिमंघा॥
 धनधनिनित्रांजनपुष्ट्यामासायंसाधंरु॥सखमरुताजाय॥नयमियतायमूदायाधियान॥
 उंआरुहं॥रातत्रालिवेया॥यराधयसा॥ययजा॥सखननन॥मीमा॥हागारुत्रदी॥रुनी॥ना॥५८
 नहाय॥रुसा॥माजाया॥सिंधुयया॥मुन॥वायनय॥॥धनमूदानांमेशमीन॥धन॥
 युक्तउक्तम॥नमिधमरुंकात्राविजनन॥कसंवत्र॥नऊवाजा॥हेवर्धु॥रुजमूदा॥मायुधादे
 लत्रयांनिमाकर्षय॥॥नित्राजन॥यअकदवकाया॥नाम॥ऊयथमदय॥धनमूदानेश
 मरु॥उंआवज॥हहृकहृंरुजाकिनीजानसंवत्रंसाहा॥रुसा॥सिंधुय॥उंसर्ववृद्धजाकिनीयवज

वर्धनीयवजवेवावनीयहंरुइसाहा॥आधुवर्म॥उंधव॥धनय॥मर्द॥वजधृकहंरुइसाहा॥उं
 वजवेवावनीयहंरुइसाहा॥वाकि॥उंगृहृदरुमनावीनवकीशुक्राया॥वायेनी॥आवजसखस्यमूदय
 वाहित्रभात्मसांसेन॥उंवजधर्मसमय॥हृ॥क॥२॥आला॥लेकहंरुइसाहा॥उंजीहहंरुइ॥
 क॥३॥ह॥य॥उंगृहृदरुमनावीन॥वाकव॥ऊक॥उ॥ल॥द॥य॥आवजसखस्यमूदय॥उंवजसूर्यरु
 माविधमयसमयहंमहं॥ल॥धृ॥क॥हं॥रु
 वजावनीयहंरुइ॥इ॥साहा॥का॥६॥गृहृदरुमनावीन॥नलसंरुवस्य॥क॥६॥का॥आवजसखस्यमूद
 य॥उंआ॥धनय॥वमन॥धन॥न॥आदि॥जिन॥जेकहंरुइसाहा॥उंवा॥ध॥रु॥य॥हंरु॥सा॥४॥रुइसाहा॥आवज

५७

मन्त्रकन॥ तथमात्रानेया दहति सखन मनु संयुक्ति विवस्वतः प्रथिष्यामि सर्वयश्च नु कर्ममा॥
 कनकन॥ युक्ति विवस्वतः प्रथिष्यामि सर्वयश्च नु कर्ममा॥
 यममनु लखवाकडु॥ आकाशात्पादावे
 यवज्जुपुसेद्वयः सर्वानि समहासिदे
 यत्र साक्यं॥ निदावः भवन्त्याये सर्व
 न्यागनः॥ अस्मिन्नुदधर्मा गुणादिमूलसुखागमः समकुरुद सर्वोत्तमक वाधिसुखयोसेद्व
 म॥ सत्ताममहासिदे माहेऽथ्या गुमुदया॥ सिद्धि वज्रमहाकथान वज्रगालय नमः॥ सर्वस

[illegible][illegible]

क
 हं बकं श्री गुरुं कां कायनमिषु रासत्रमत्रीं विहाय ॥ ॥ घटकाया विद्य ॥ ॥ देकाया विद्यान ॥ ॥
 तमसुलकायक ॥ ॥ गुरुयातदाहलया ॥ ॥ सेधुयुया ॥ ॥ मूलमकुन ॥ ॥ गवयकात्रजमयकं काउन ॥ ॥
 मित्रवस्तुनया ॥ ॥ उं वज्र उष्टी वरुं ॥ ॥ मूक
 यां सुनया ॥ ॥ कां का ॥ ॥ दलसतयक ॥ ॥ अ
 म ॥ ॥ द ॥ ॥ म ॥ ॥ इतयन ॥ ॥ ॥ गुरुया
 कात्रमी अया ॥ ॥ महासुखन अया ख अया ॥ ॥
 घटकाया ॥ ॥ द ॥ ॥ म ॥ ॥ इतयन अया ॥ ॥ ॥ थन मकुन सा ॥ ॥ विजक ॥ ॥ ॥ ककुनसा

सर्वथा विरु मया दया मे ॥ माउ स. ख द्री ग न धिय ॥ मय्यां ऊ ले हृदि सत्र न सम य ह्य हां से
 द्वि वर यथा सुखं मि मे वरं धृत्वा ॥ ॥ मय्यं वरं वात्रा को धि वि का हा वि द्या नि ॥ ॐ नो ह्य नि म
 कर्त्तव्य मन्त्र वरं वात्रा हि मन्त्रि स्थानः ॥ या क ह्य या य ॥ ॥ न व ल दं वरं वात्रा का यत्र
 मन्त्र ह सा मन्त्र लय वि द्या य वरं वरं ॥ न व
 पुष्प मन्त्र लय दृ हा उ या गु त्व. सु या ह
 न म द ॥ ॥ ॐ नो ह्य नि म ॥ ॐ नो ह्य नि म ॥ ॐ नो ह्य नि म ॥ ॐ नो ह्य नि म ॥ ॐ नो ह्य नि म ॥
 स न था स सुखा वरं सत्वा य धि वि मी ॥ ॥ न य ह य ल वा या उ. हा दि ग सं स न का उ. य क पु ल म

ॐ वृद्धाक पूजाय लुनायात्मानं। नेर्या नया मे। सर्वतथागत वृद्धाक श्रीधो। नेरुमी। वृद्धा
 क भयाक्त न भगवत् पूजाया यया नका प्रदीं थजमा। वेद आत्मा दाह नया थार्थि क वृद्धाक न भग
 न न भ्राधेष्टानया क रुयाय॥ म। ध
 नेर्या नया मे। सर्वतथागत वृद्धाक श्री
 न। केमि सं थजमा वीद दाह नया थार्थि क
 ॥ ॐ सर्वतथागत वृद्धाक पूजाय लुनायात्मानं। नेर्या नया मे। सर्वतथागत वृद्धाक श्री
 धे नमी॥ वृद्धाक न भगवत् पूजाया यया नका प्रदीं थजमा। वेद आत्मा दाह नया थार्थि क वृद्धाक न

१२

न भगवत् न भ्राधेष्टानया क रुयाय॥ दक्षि ॥ ॐ सर्वतथागत वृद्धाक पूजाय लुनायात्मानं। नेर्या न
 या मे। सर्वतथागत वृद्धाक श्रीधो। नेरुमी॥ वृद्धाक न भगवत् पूजाया यया नका प्रदीं थजमा। वेद आत्मा दाह नया थार्थि क वृद्धाक न
 वेद आत्मा दाह नया थार्थि क वृद्धाक न
 सर्वतथागत वृद्धाक पूजाय लुनायात्मानं। नेर्या नया मे। सर्वतथागत वृद्धाक श्री
 धो। नेरुमी॥ वृद्धाक न भगवत् पूजाया यया नका प्रदीं थजमा। वेद आत्मा दाह नया थार्थि क वृद्धाक न
 थि वृद्धाक न भगवत् न भ्राधेष्टानया क रुयाय॥ ३३ ॥ ॐ वृद्धाक पूजाय लुनायात्मानं। नेर्या नया मे। सर्वतथागत वृद्धाक श्री
 न। नेर्या नया मे। सर्वतथागत वृद्धाक श्रीधो। नेरुमी॥ वृद्धाक न भगवत् पूजाया यया नका प्रदीं थजमा। वेद आत्मा दाह नया थार्थि क वृद्धाक न

साहेन दाहलपा समसं सलपा सिध्यान वक्राया कऊयाय ॥ पूर्वसं ॥ अथर्ववज्रवावाहे कलपुनि
 छ. नदह न वज्रहान मस्या दया मे यन हान नन सर्व वावाका सिद्धि वयि पाया ने के मुका न्या सिद्धि
 आअह याने वज्रवावाहे श्या कल सइहा ॥ अल वज्रहान उ श्या र्था गु ॥ वज्रवावाहे
 या सिद्धि ह। मि सन या न आअ मवका स ॥ इह य ॥ ॥ नव तर्द मृद स मलु न स पृ
 नाव क र्वा ॥ अथ व म न व या म लु न या ॥ खादे कामला क या न ह। अन क्राय म कडा ॥
 माह समया वार्याने न प्रक य न नीसा ॥ अथ म न क्राया ह। अन क्राय म कडा ॥ न अ र्वा व थ न क या
 अ. न प्रक स क मे अन्या ॥ ॥ ख डी गान म उ म यि या ॥ अथ न समया व र्ज मृद नि सि पृ थ य

१३

दे. स्या मि मी क स्या वेदु यान ॥ ह। मे य या ने अ म ह मि य स या ल स। वेका क म. सा का न वज्र स ल
 स नृय अथ व ह मि सं दि काम ला क या ह। अन क्राय म कडा ॥ न अ र्वा व थ न क या
 क्राय ॥ ॥ ख डी गान न गान स थि य ॥ व ॥ ज स ल स यं क य ह द य स म वा र्हे न। नि ले या न
 क्राया या ॥ यदि तु या दि म म न ॥ ह। मे य ॥ अ म ह मि न गान स। वेका क म. सा का न वज्र स ल
 अथ. स न अ म या न क स। गालि। ने सं. व ॥ व द या न गान या हा थि का य ॥ क्रा क न व स
 ह। मे न व का या य ॥ ॥ अथ ह। मे य ॥ ॥ य न का य या न ना मृ क स म या न क ॥ अथ र्द न ना व क
 वा। वे. समया नि क मा द ह ॥ सम यं स ल क स। सिद्धि ॥ ये व व ज्र मृ ना द क ह उ मि ॥ ह। मे य या ने

[illegible]

धनमेष्टाधिधिसधियकं नय ॥ स्वप्रदृष्टा लनस्य ॥ आवनलवता ॥ ॥ नमस्तु सर्वतथा गता ॥
 धिष्ठमा ॥ नमस्तु ॥ विदुः वज्रसत्त्वया गामात्रं च ॥ माते निष्ठु नाना न कर्म ॥ आकाशजासिमाह्वयं नैष्टा
 य ॥ सर्वतथा गताधिष्ठे कर्मा ॥ वज्रसत्त्वः ॥ आवनयानि ॥ वातयिष्टा न स्य हृदि ॥ नीला नयः ॥
 दुःखानम् ॥ योनयुथा मधुन सूर्य नीलः ॥ ह ॥ मेनासेरु वधु ॥ ऊ ॥ ऊ ॥ वधु ॥ ल ॥ क ॥ ले ॥ मां ॥ क ॥ वा ॥
 समुल्लं ॥ व ॥ दु ॥ मु ॥ क ॥ ह ॥ का ॥ व ॥ र्क ॥ थ ॥ यं ॥ क ॥ अ ॥ क ॥ व ॥ न ॥ य ॥ मा ॥ का ॥ ह ॥ य ॥ क ॥ ध ॥ न्वा ॥ र्क ॥ नी ॥ ला ॥ न ॥ त्र ॥ म ॥ धु ॥
 व ॥ दु ॥ त्र ॥ क ॥ मा ॥ का ॥ व ॥ र्क ॥ वि ॥ र ॥ वा ॥ ॥ स ॥ ह ॥ दी ॥ क ॥ त्र ॥ भि ॥ र्क ॥ वि ॥ र ॥ का ॥ य ॥ वा ॥ व ॥ र्क ॥ ना ॥ नी ॥ य ॥ य ॥ थ ॥ क ॥ र्मा ॥ न ॥ स ॥
 हा ॥ व ॥ र्क ॥ ॥ का ॥ व ॥ र्क ॥ हा ॥ व ॥ य ॥ द ॥ द ॥ य ॥ अ ॥ ध ॥ र्क ॥ हा ॥ य ॥ म ॥ धु ॥ ला ॥ ही ॥ यो ॥ न ॥ त्र ॥ ज ॥ न ॥ व ॥ र्क ॥ का ॥ म ॥ ल ॥ क ॥

५ वनाया न क पमति द्वयी। सिद्धि॥ निम्न द वनाया न क व रुत सा निम्न द वनाया सिद्धि॥ ४८ थो गो न्यी
 पमति न क लं क स्य रुत नि॥ ४९ द वीया क रुत सा ग्व क स्या क रुत उ क या सिद्धि॥ वा क व रुत ल लता
 स वा क व जा व ली वे हि श ना सि सिद्धि॥ ५० य म्ना वा ले क्ता वा व ली वे जा व ली यि म रुत सा सिद्धि म द ११
 म द लं व न द र्भ य ॥ म कु मा रु क र्भ क ० यि हा वा हि पु व म य ॥ ५१ म कु म द ल क न म द म कु मा
 कु क स्या न म क द्वा ड पि न श्रु य ॥ वि नु यी ॥ स य ल न याने ये न ता क स श्री ध प न का म का सी
 पि न श्रु य ॥ ५२ द र्भ म द लं प म्भु श्रु वा व ग श र्भ प मि ॥ ५३ द क स न य आ ड थ म द ल स य ॥
 ल व व द रु ल जा का म द म के व वि शि न ॥ ५४ मि श्र यानि आ ड द यानि व द क ल स द न्म इ ल म द ॥

म कु न म्ना धे द्वा न यान ॥ संप्रदा सर्व सिद्धि तां स मया गु हा वे द्या सि ॥ ५५ मि स न प दार्थ न स क ना सिद्धि
 या व रु क रु य न ड भ न गु व द ला त ॥ व ज य द्या गु हा नि क म कु वा वा ध न क ॥ ५६ मि श्र यानि आ ड
 कु मि सी थ व रु ज य द्या म न रु व आ ना श्री म्ना म कु म्ना वा व ग श र्भ प मि ॥ ५७ मि श्र यानि आ ड
 क ॥ ५८ म द लं म द म द ल य वि द्या ॥ ५९ म द लं म द ल य वि द्या ॥ ६० म द लं म द ल य वि द्या ॥
 आ य ध न ॥ ६१ म द लं म द म द ल य वि द्या ॥ ६२ म द लं म द ल य वि द्या ॥ ६३ म द लं म द ल य वि द्या ॥
 य ध न ॥ ६४ म द लं म द म द ल य वि द्या ॥ ६५ म द लं म द ल य वि द्या ॥ ६६ म द लं म द ल य वि द्या ॥
 का कि मि सं ला य ध न हा हा हा आ न अ ध न कि म न रु ग व रु ल ॥ ६७ म द लं म द ल य वि द्या ॥

七

[illegible]

[illegible]

याय दक्षतय ॥ गीत ॥ योगं गुंरमा लसि ॥ द्वि मुद्रा ॥ पी आदि युजा ॥ गु प्रथमं मिथ्या यनि
 सु दक्षतय ॥ दगु समयन हित्रक ॥ आदि यया लसि का ॥ रुद्र मुद्रा ॥ प्रथमं मिथ्या यनि
 न गुनक ॥ गीत ॥ युमा ॥ ॥ धन उद्यान साधकन ॥ उद्यान नव नव कानि न धमा वि
 युद्धता हा खना दग्धा विनि नया ॥ छिला कम दिना ये यख धमा युमा ॥ ॥ मिथ्या यनि धा धि क स
 कवा ना हि रुयु गार्थि क धल सा धा हा अनी आकास निर्मा सत्र क या धा न रु स धा धा का
 यां धा हा का य म जिया र्थी म ना दि य र्थी म ना गु क र्थी द न दग्ध रु या काना र्थी गु स ग न स धा धा ना ल
 सी मृ न धा ना हा य का विद्या ना र्थी क ॥ वृद्ध न न स विना वि क नू खा सा न द स न्धा रु दा हा वा हा व वि

वायसीविदेकावायाहिकायाहुव॥ वावडवायाहियत्रमय्यीगाथिप्रभलसावृद्धमाकाधकभय
 कायांसदहनदयामाहुइयाविद्यानाथीम. काभंसहिअ. थियंसहिअ. लायंसहिअ. वावडकन
 यडियाथानम. माकासथयहायदयाथा
 य॥ ॥ निष्पासाविदेनसमलुलगाता
 नचक्रगार्थिगुरुयुभलसा. नाहिंसयमलु
 भया. मेहुताथी. कोलाइयावा॥ मृगसवायुकाहुसुकायमा. विद्यावृद्धकदं वकदहनेका. वक
 नुयाहुदनि. सानद्यालासेनोर्धगा. स्फुत्रहुवा. वायाहिकायनासे॥ वडवायाहिरुयाधिदयल

८१

मा. मृगसवायुकाहु. विदेधनभाससा. यलखाया. सुकाथी. वडुदिव्यावृद्धयाविद्याकम
 कदं वडुइयातंम. असपासया. कायवक. वाकवक. विरुचसंके. दमायानम. थाधेकवड
 वायाहिरुयाकइयाया॥ वाकायाका
 डियावांस॥ वाकायायावकिर्न॥ वाध
 आनाथीम॥ हिकायहहर्नलुन्या॥ दिभ
 मइ. थाधिंमवायाहिरुयाकाइयाया॥ ॥ थनविसर्कन॥ मलुलया. लाला. लाया. यथा
 मडाकमुय॥ थउरवालेसनय. यथभला. हायकमायेई ४ स्या. लेकायमभउा॥ ॥ थन

53

[illegible]

कृष्णकृष्णामेकपुत्रयमनिश्चयप्रसूतुषावाजिद्वयमि वृक्षमकमद्वयविष्णुवायम
 हावत्रकामदवहप्रिश्चैवत्रयसूर्यारुयागुहधृथिवीयधप्रश्चैवकवलकनयानुधधध
 वाजाश्चैनागभश्चैगन्धर्वसन्निवृत्तान् ॥ कयतिंभस्मिन्नाथयदश्रुकातिष्ठातिवासेक॥महा
 वाङ्मिनाथयद्यपिमातातिवासेन॥निर्मा
 लाकधामुष्णमहाधामुनिवासेन॥चतुर्दी
 दलाकाश्चलतागुल्मरुनादयः॥मृदिमार्हमिस्मिन्नाथयत्रविमलायामघात्रा॥श्रुविद्यातिनि
 र्मनाश्चश्रुवत्रायाकृपायद॥धर्ममघानृगभयश्चसुदुर्जयागताश्च॥इवंगमातिवासाश्चय

८४

लकमिनिवासेन॥श्रुमिस्मिन्नाथयत्रसाधुममिनिवासेन॥दमरुमीश्वरानाथ॥आर्यासौ
 गमस्तपत्र॥संवृद्धाश्रवकारश्चैव॥धृतिविद्यानयूया॥युतनत्रकमीयकदवास्तनमानुषा॥
 ताहामावेक्षननृत्तवैगुहमनुल
 रप्रदीपदीपादि॥धनजजज्ञस्यनस
 द्रय॥धनसर्व॥जज्ञाविहे॥पृथ्वी
 नया॥लाकजतयाउद्रय॥विसर्जन॥धनमूलावार्थदना॥निष्पयाय॥मीर॥हागुरुना॥सुगु
 यश्चसात्रदिश॥रश्मिक॥चक्षुलिकनलीनयानिजयदादलासेनावेम्बरु॥वेम्बरुनिमहासः

खविप्रययं लीनं सवारधदया अंरुऊरगुघदकिनिवृत्तिपदं प्राकायेच रुद्रया आमदगयुक्त
 यं सहजानद्यायवचामह ॥ धनदमयकिमय ॥ सात्रयगुत्रदि कभाधनकभात्रेयकांयसुको
 नकं निष्ठाधिवासन ॥ मधुलथिनाकि ॥ तनं यध्यायायाकभायं सुधंतय विमुक्त
 कलम वाकां निस्त्रा विनामैयक ॥ दयुस ॥ कददुय कमात्रियुताय ताहिअदि दतामि
 किहंता ॥ समयायक ॥ भवाह निविस्सु ॥ न ॥ सीहात्रमीक ॥ ऊयैरययकधमकायका
 धिनि स्त्रानकर्षयका समयावनिस्तयाअद्यय ॥ धनकल्यां गुवं काकजानक लकिमंयप्रानि
 जानक धम्पि सी कायमृकन जानाअ गुत्रया निडा ॥ जनाडा गुत्रसय यनगुवृध्यावनद

६५

सं गम कर्मस्य इहाउतन गीता दीविनि ॥ १ ॥ संयर्षं सर्वजगतामिच्छादि ॥ धनयअरम
 सनसंभानादजयदिनय ॥ २ ॥ असंयं स्वसयं विम काययत्रालिहयाविद्यक विरुक्त नमृडा क
 दुयमी ॥ सादतं मुनी ॥ ३ ॥ मधुलथिना ॥ मांगानि ॥ ४ ॥ निविस्सु ॥ ५ ॥ कदिविधि ॥ ६ ॥
 धनीनि सिद्धाकाकाययन ॥ गुत्रमः ॥ ७ ॥ सुलभादिपूजा माहविसेमनसायमादिक्
 य ॥ मधुलथिल ॥ ८ ॥ तिसरुन ॥ ९ ॥ समाधि ॥ निमोशकलसस चांगुअवाहति कत्रमसतय कलसाहि उक मकृताहि उक
 जा ॥ दवयजा ॥ मधुलथिल ॥ १० ॥ किनन ॥ सधंतय ॥ विस्सु ॥ ११ ॥ दिगु ॥ सधय ॥ १२ ॥ क ॥ १३ ॥ ल ॥ १४ ॥
 वन ॥ निमोशकलसस चांगुअवाहति कत्रमसतय कलसाहि उक मकृताहि उक

三

कात्रयकद्वय॥द्वयशमात्रमनासिद्धयुक्तात्कंसपात्रनयासात्रकायसमयावक॥महाव
क॥लिहायाडा॥मघवत्याश्चन॥उरुवादास्तुतिस्तुतिविधि॥ ० ॥धनमु
प्रसयवन्सात्रयुक्तात्कंसपात्रकलस
युक्ता॥मधुलायिलकिमनसद्यंतया
ज्ञायमान॥समयावक॥विसर्जन॥
सद्यंत्रिय॥मसनकगुण्या॥मिथ्यनरुकागुण्यातदतांत्रिय॥

[illegible]

ASHA ARCHIVES

2.708